राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए.द्वितीय वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
EO-BMVI-202	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

(खण्ड.ब) इलेक्टिव ओपेन सब्जेक्ट

केवल प्रायोगिक - स्किल डेवलपमेंट-

एन.एस.एस./एन.सी.सी./शारीरिक शिक्षा/योग/

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

फील्ड वर्क के साथ अपने विषय के अपोजिट विषय का चुनाव

लोक संगीत प्रायोगिक:- प्रदर्शन एवं मौखिक

मौखिक

1. लोक संगीत की परिभाषा, परिचय, क्षेत्र एवं विशेषताएं।
2. लोक संगीत के अंतर्गत पंडवानी विधा का सामान्य परिचय।
3. तीजन बाई एवं शारदा सिन्हा का परिचय एवं लोक संगीत में योगदान।
4. लोक नृत्य एवं लोक गीतों का महत्व, संरक्षण की आवश्यकता।
5. लोकगीत के प्रकारों– चैती, कजरी, दादरा का उपशास्त्रयीय संगीत में स्थान एवं महत्व।
6. लोक गीतों के स्वरूप एवं प्रकार यथा –
   (1). संस्कार संबंधी (2). ऋतु संबंधी (3). श्रम सम्बन्धी (4). उत्सव सम्बन्धी
   (5). ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय।

प्रायोगिक :- प्रदर्शन

1. अलंकार का सामान्य ज्ञान (जिस स्वर या थाट के स्वर उस गीत में लगते हैं उन्हीं थाटों या स्वरों में अलंकार कराना है।)
2. तालों का व्यवहारिक ज्ञान। दादरा कहरवा दीपचन्दी आदि। (लोक गीतों में प्रयोग होने वाले ठेके एवं तालों का ज्ञान)
3. अपने प्रदेश के अंचलों के एक–एक लोक गीतों का निम्नानुसार व्यवहारिक ज्ञान –
   (अ). संस्कार गीत, (ब). ऋतु गीत (स). श्रम गीत (द). उत्सव गीत
   (इ) मनोरंजन गीत
4. सीखी हुई किसी लोक रचना को हार्मोनियम पर बजाकर गाने का अभ्यास।
5. अपने प्रदेश के अंचलों में प्रचलित लोक संगीत एवं लोक संस्कृति का सम्बन्ध निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर –
   (1). गीत, (2). वाद्य, (3). लय व ताल, (4). वेशभूषा व आभूषण, (5). विभिन्न अवसरों के लोक वाद्य
6. लोक गीतों का फिल्मी गीतों पर प्रभाव एवं लोक नृत्य और योग का सम्बन्ध।

सन्दर्भ ग्रन्थ की सूची

(1) लोक गीतों की सांस्कृतिक भूमि – श्री विद्याचरण
(2) फोक सांग्स ऑफ इंडिया – श्री हेमाल्स
(3) भारत के लोक नृत्य – श्री लक्ष्मी नारायण
(4) राजस्थान का लोक संगीत – श्री देवीलाल सांभर
(5) मालवा के लोक गीत – डॉ. चिंतामणि उपाध्याय
(6) फोक कल्चर एवं ओरल टेडिरान्स – श्री एस. एल. श्रीवास्तव
(7) भोजपुरी लोक गीत – श्री कृष्ण देव उपाध्याय
(8) मैथली लोक गीतों का अध्ययन – डॉ. तेजनारायण लाल
(9) भोजपुरी लोक संस्कृति एवं हिन्दुस्तानी संगीत – डॉ. संजय कुमार सिंह
(10) अवधि लोक गीत और परम्परा – श्री इंद्र प्रकाष पांडे
(11) बुन्देलखण्ड के लोक गीत – डॉ. उमाषंकर शुक्ल
(12) निमाड़ी लोक गीत – डॉ. राम नारायण अग्रवाल
(13) विन्ध्य के आदिवासियों के लोक गीत – श्री चन्द्र जैन
(14) मालवी लोकगीत एवं विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय
(15) कुल्लू के लोकगीत – श्री एस. एस. रणधाना

Syllabus Designed By Dr. Sanjay Kumar Singh **H.O.D**